विधायकों की पाठशाला : विष्णु, रमन और महंत ने दिया पेशेवर ज्ञान

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया ●

रायपुर: भारतीय प्रबंध संस्थान (आइआइएम), रायपुर में शनिवार को विधानसभा सदस्यों के लिए दो दिवसीय पब्लिक लीडरशिप प्रोग्राम का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष डा. रमन सिंह और नेता प्रतिपक्ष डा. चरणदास महंत ने विधायकों को पेशेवर ज्ञान से अवगत कराया। मुख्यमंत्री साय ने विधायकों को संबोधित कर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने मन की बात कार्यक्रम में हमेशा सीखते रहने की बात करते है और निश्चित रूप से सीखने की कोई उम्र नहीं होती है।

यहां कई ऐसे विधायक मौजूद है, जिनका जनप्रतिनिधि के रूप में लंबा अनुभव है, लेकिन वे भी इस कार्यक्रम को लेकर बहुत अधिक उत्साहित है। साय ने कहा कि आप सभी सदस्यों की मौजूदगी यह साबित करती है कि छत्तीसगढ़ के विकास को लेकर आप कितने चिंतित भी है और उत्साहित भी है।

साय ने कहा कि यह पब्लिक लीडरशिप प्रोग्राम नवीन समाधानों को साझा करने का मजबूत मंच है और विकसित छत्तीसगढ़ 2047 के लक्ष्य को पाने में यह उपयोगी और सार्थक सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सुशासन की संकल्पना को स्थापित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि ई आफिस की व्यवस्था से प्रशासनिक दक्षता के साथ-साथ पारदर्शिता भी बढ़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि हमें प्रदेश को आगे ले जाना है तो सभी प्रकार की चुनौतियों से निपटने के लिए समान रूप से तैयार रहना होगा। उन्होंने सार्वजनिक हित में तकनीक के सदुपयोग पर विशेष जोर दिया।

विधायक बनते ही लीडर बन गए, गलत धारणा: चरणदास : नेता प्रतिपक्ष डा. चरणदास महंत ने कहा विधायक बनते ही हम लीडर बन गये, ऐसा सोचना गलत धारण होगी। लीडर बनना एक प्रक्रिया है और हमें यह सीखना होगा। उन्होंने कहा कि विषम परिस्थितियों से निकलकर जशपुर का एक आदिवासी बेटा आज मुख्यमंत्री बना है, यह हमारे लोकतंत्र की खूबसूरती और ताकत है। हम सभी का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ की उन्नति है और इसी को लेकर आगे बढ़ने की जरूरत है। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ विधानसभा के सदस्यगण, नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम, आइआइएम रायपुर के निदेशक राम कुमार, आइआइएम के प्रोफेसर सुमीत गुप्ता, संजीव पराशर, अर्चना पराशर मौजूद रहे।

पक्ष-प्रतिपक्ष में मनभेद नहीं होना चाहिए : विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री साय ने विधायकों को सीख दी कि विभिन्न दलों के नेता होने के कारण भले ही हम सभी के बीच मतभेद हो सकते है,लेकिन मनभेद नहीं होना चाहिए। छत्तीसगढ़ विधानसभा के सदस्यों में यह बात हमेशा से कायम है। छत्तीसगढ़ का विकास हमारा मूल उद्देश्य है और जनप्रतिनिधि के रूप में हमें प्रदेशवासियों के हित में सदैव समर्पित होकर काम करना है। साय ने कहा कि जनप्रतिनिधि के रूप में आमजनों से आपका व्यवहार सबसे बड़ी पूंजी है और यह लोगों के मन में आपके और संसदीय व्यवस्था के प्रति विश्वास को अधिक मजबूत करेगा।

जीतने के बाद बढ़ जाती है जिम्मेदारी : डा. रमन सिंह

विधानसभा अध्यक्ष डा. रमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र में सभी सदस्य लगभग एक महीने तक सक्रियता के साथ शामिल रहे और इसके तुरंत बाद इस दो दिवसीय आयोजन में आप सभी की उपस्थिति प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा आप लोग सोच रहे होंगे कि जीतने के बाद हमारा प्रशिक्षण क्यों? जीतने के बाद हमारी जिम्मेदारी और भूमिका बढ़ जाती है, इसलिए हमें लगातार सीखते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें केवल अपने क्षेत्र के लिए नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की बेहतरी के लिए कार्य करना है। हम अपने आसपास के परिवेश और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य के प्रति कितने सजग है, जनप्रतिनिधि के रूप में आपको सफल बनाने में यह तथ्य महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा कि आपके पास अपने विधानसभा क्षेत्र की छोटी से छोटी जानकारी होनी चाहिए।

भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर में विधानसभा सदस्यों के लिए दो दिवसीय पब्लिक लीडरशिप प्रोग्राम का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय (मध्य), विधानसभा अध्यक्ष डा. रमन सिंह (दायें), नेता प्रतिपक्ष डा. चरण दास महंत (बायें)। ● डीपीआर

Naidunia, 23 March 2025, p.02